

28/7/20

वकील प्रार्थी उषा पत्रावली का इमोलेशन  
 क्रिमा, जिसके पामा उ गमा प्रकरण  
 वर्ष 2013 के विचाराधीन है तथा शाब्द  
 212 RTA Act एवं आदेश 39 नियम 1 व 2  
 लपठित 151 CPC के अन्तर्गत है जो  
 उ अन्तर्गत आन्वय निवेधाना ~~क~~  
~~आवतु~~ पेश क्रिमा जिसका अर्थ लु  
 अन्वय निवेधाना नहीं जारी नहीं हो  
 ले अर्थात् ही लपठित हो गया है  
 जिसके अन्तर्गत प्रकरण इसी स्टेज पर  
 आरिज क्रिमा जाना अर्थात् चिल प्रविल  
~~होता~~ होता है। अतः प्रार्थना पत्र अन्तर्गत  
 धारा 212 RTA Act एवं आदेश 39 नियम 1 व  
 2 लपठित धारा 151 CPC योजनीय नहीं होने से  
 आरिज क्रिमा जाता है। पत्रावली नम्बर के  
 कम होकर शकिल रहता है।

*[Signature]*  
 जज (पीठासीन अधिकारी)  
 जिला न्यायालय